Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 03, (अगस्त, 2024)
पृष्ठ संख्या 81–82

जल संरक्षण और जल क्षरण

अवनीश कुमार[1], रामनिवास[2], कृष्ण चन्द्र तिवारी[3] एवं केशरीनाथ त्रिपाठी[4]

[1]सहायक प्रोफेसर, सोरभ कृषि महाविद्यालय,
खेड़ा हिंडौन सिटी, करौली, राजस्थान
[2]सहायक प्रोफेसर, महाराजा सूरजमल कृषि महाविद्यालय रहीमपुर,
उच्चौन भरतपुर राजस्थान
[3]जे आर एफ/रिसर्च एसोसिएट–1,
रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
[4]सहायक प्रोफेसर, एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत।

Email Id: keshrinath.tripathi@gmail.com

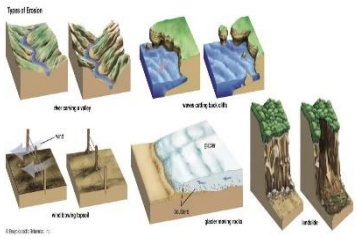

जल संरक्षण – पृथ्वी के सभी जीवो के लिए जल एक अमृत समान है। जल जल एक प्राकृतिक अमूल संपत्ति के बिना जीवन का एक असंभव है। पानी का व्यर्थ उपयोग हमारे जीवन को संकट में डाल सकता है। क्योंकि पृथ्वी पर लगभग 71% पानी है। जिसका 96. 5% समुद्र जल और मात्र 3.5% पीने लायक पानी है। बढ़ती जनसंख्या और औद्योगीकरण के कारण दुनिया के सभी देशों पर पानी की विपदा आ पड़ी है इससे यह साफ पता चलता है कि आने वाले वक्त में मनुष्य के लिए जल कितना बड़ा अभाव होने वाला है। इसलिए जल का सही मात्रा में उपयोग करना बेहद आवश्यक है।

जल संरक्षण करना भी एक कला है। वर्तमान समय में हमारे आने वाले भविष्य में हमारे लिए जल संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। जिस लिए हमें आज से ही जल संरक्षण पर कार्य करना शुरू होगा जल संरक्षण का काम किसी नेता या सरकारी संस्थान का काम नहीं है। इसे हमें अपने–अपने घर से शुरू करना होगा और पानी का सही तरह से इस्तेमाल करना होगा।

पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल संरक्षण व बचाव बहुत जरूरी है। क्योंकि बिना जल के जीवन संभव नहीं है। पृथ्वी पर जीवों को पानी की जरूरत होती है जैसे पेड़– पौधे, जीवजंतु, मनुष्य और अन्य जीवित चीजे हमें पानी पीने, खाना पकाने, कपड़े धोने, नहाने और कृषि आदि के लिए हर गतिविधि में पानी की आवश्यकता होती है। पानी को बचाने के लिए हम सब की जरूरत है।

जल क्षरण क्या है ?

जल क्षरण सिंचाई, वर्षा, बर्फ पिघलने और अपवाह प्रबंधन से पानी द्वारा भूमि की ऊपरी सतह को हटाने को कहते हैं। जब यह बात मुद्दे की सामने आती है तो वर्षा जल को सबसे ज्यादा दोषी माना जाता है। बहता हुआ अपनी भूमि की सतह के साथ–साथ मृदा के कार्बनिक और अकार्बनिक कणों को भी बहा ले जाता है, उन्हें निकले परिदृश्य में इकट्ठा करता है, जैसा की ऊंची ऊंची पहाड़ी कटाव के लिए विशिष्ट है। मृदा का कटाव एक नई मृदा बना सकता है या पास के जलाशयों, झीलों, नदियों में जा सकता है।

परिभाषा – जल के द्वारा मृदा कणों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होना जल क्षरण कहलाता है।

जल क्षरण के प्रकार

1– अपस्फुरण क्षरण

2– परत क्षरण

3– क्षुद्र सरिता क्षरण

4– अविनालिका क्षरण

5– भू– स्खलन क्षरण

6– सरिता तट क्षरण

7– पीठिका क्षरण

8– हिमानी क्षरण

9– सागरीय क्षरण

जल क्षरण को रोकने के उपाय

1. वृक्ष लगाकर जलशरण को रोका जा सकता है।
2. उन फसलों का चयन न करें जो जल क्षरण को बढ़ावा देती है।
3. जहां हल्की वर्षा होती है वहां पर जल क्षरण को रोकने के लिए जैसे उड़द, मूंग आदि फसलों का चयन करें।
4. जल क्षरण नियंत्रण जल के कारण होने वाले भूमि क्षरण से निपटने में महत्वपूर्ण है और जल क्षरण का समाधान मिट्टी के प्रकार, स्थलाकृति, जलवायु, फसल चक्र आदि।
5. वनस्पति आवरण बनाए रखना (छींटे से कटाव, शीट अपरदन, नाला अपरदन)
6. मिट्टी को कार्बनिक पदार्थ से समृद्ध बनाना (छीटें से कटाव, शीट अपरदन, नाला अपरदन)
7. सिंचाई पद्धतियों में सुधार करना
8. मिट्टी की सतह को कठोर बनना
9. रासायनिक सुधार करना

जल संरक्षण के उपाय

1. वृक्ष हमारे अभिन्न मित्र हैं ये जमीन का कटाव रोकते हैं। बाढ़ से सुरक्षा करते हैं जहां ज्यादा वृक्ष होते हैं । वहां अच्छी बारिश होती है जिससे बारिश में नदी नाले भर जाते हैं और पानी की कमी नहीं हो पाती है। लगातार वृक्षारोपण करते रहना चाहिए।
2. पानी की जरूरत को कम करने के लिए, औद्योगिक क्षेत्र, कारखाने आदि में आधुनिक तकनीकि को प्रयोग में लाना चाहिए।
3. पानी की बर्बादी को रोकने, वर्षा जल का संचयन करने, लगातार वृक्षारोपण करने तथा पानी को प्रदूषण से बचाने हेतु लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाते रहना चाहिए और यह प्रयास हम सबको मिलकर करना चाहिए।
4. बाग बगीचों एवं घर के आस–पास पौधों में पाइप से पानी देने के बजाय वॉटर कैन द्वारा पानी देने से पानी की बचत हो सकती है।
5. जहां कभी भी नल या पाइप लीक करे तो उसे तुरंत ठीक करवाये ध्इससे काफी पानी को बर्बाद होने से रोका जा सकता है।
6. वाशिंग मशीन में रोज–रोज थोड़े–थोड़े कपड़े धोने के बजाएं कपड़े एक साथ धोए।
7. नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी वह मग का प्रयोग करने से, इससे काफी हद तक पानी बचता है।
8. गाड़ी धोते समय पाइप की बजाय बाल्टी व मग का प्रयोग करें।
9. घर की टंकियो में अलार्म लगाना चाहिए।
10. बरसात के पानी को स्टोर कर काम में ला सकते हैं।
11. दाढ़ी बनाते समय, ब्रश करते समय, सिंक में बर्तन धोते समय, नल तभी खोले जब सचमुच पानी की आवश्यकता हो।